॥ श्री ॥
॥ बाबा ॥

ना हम देखे रंग बाबा
ना हो हमको रूप का ध्यान
केवल मन मा देख के बाबा
हम कर आए चारो धाम

ईश्वर शक्ती अपार जग में
बह जाओ ना भवसागर में
बाबा का हो तुम संग साथ
तभी बढेंगे सारे हाथ

तुफानी मन,मुँह से न बोलू
हो कठिनाई ,पथ से ना हीलु
नाम का रहे, सदा मन में मान
तभी तो होंगे अमर ये प्राण

★★★★★